

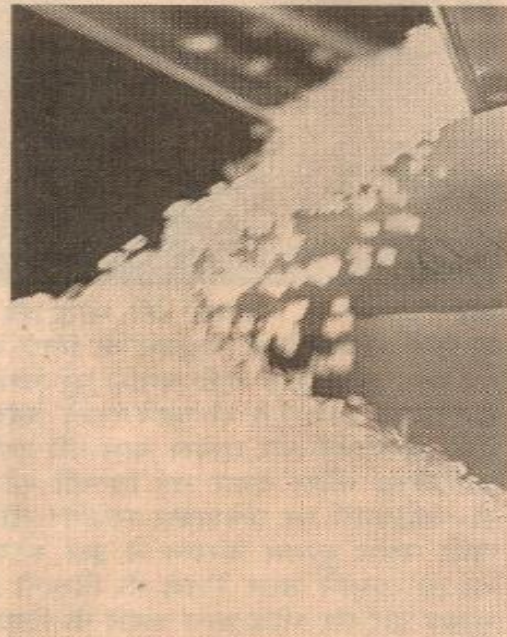
महाराष्ट्र में गन्ना मूल्य पर विवाद से चीनी में तेजी संभव

गन्ने की पेराई देरी से
शुरू होने पर नई चीनी
की सप्लाई लेट होगी

बिजनेस भास्कर • जयपुर

महाराष्ट्र में गन्ना किसानों व मिल मालिकों के बीच गन्ना खरीद मूल्य को लेकर विवाद बढ़ने से राजस्थान में चीनी महंगी होने की आशंका है। कारोबारियों का कहना है कि महाराष्ट्र की मिलों द्वारा गन्ना खरीद की दरों में कमी करने के प्रयासों का किसानों द्वारा कड़ा विरोध किए जाने से गन्ना पीराई में देरी की संभावना है। ऐसे में चीनी की नई खेप में देरी हो सकती है। राजस्थान में चीनी का वर्तमान स्टॉक कम होने से मांग का दबाव बढ़ेगा और आपूर्ति पर असर पड़ेगा। ऐसे में इसका असर कीमतों पर आएगा। अगले सप्ताह से शादी विवाह का सीजन शुरू हो रहा है। इसके चलते सामान्य मांग में 30 फीसदी से अधिक की तेजी आएगी। इस कारण इस सप्ताह चीनी की कीमतों में इसका असर दिखाई दे सकता है। कारोबारियों ने कीमतों में 200 रुपये प्रति क्विंटल के इजाफे की आशंका जताई है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की चीनी मिलों और गन्ना किसानों के बीच विवाद का असर इसकी कीमतों पर भी पड़ सकता है। गन्ना किसान फसल के लिए 3000 रुपये क्विंटल के भावों की मांग कर रहे हैं, जबकि मिलें इसके लिए 2300 रुपए क्विंटल भाव देने पर अड़ी हैं।

राजस्थान खाद्य व्यापार महासंघ के अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता का कहना है कि महाराष्ट्र में गन्ना किसानों का विवाद अगले सप्ताह तक जयपुर की चीनी पर अपना असर दिखा सकता है। चीनी के भाव 200 रुपए प्रति



क्विंटल तक बढ़ सकते हैं। जयपुर के खुदरा बाजार में चीनी 37 रुपये से लेकर 40 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है। अगर दाम बढ़ें तो इसकी कीमत 42 से 43 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच सकती है। चीनी कारोबारी विमलेश अग्रवाल ने बताया कि विवाद जल्द सुलझ गया तो कीमतों में असर नहीं होगा, लेकिन यह लंबा खिंचा तो कीमत बढ़ेगी। जयपुर में 7000 से 7500 क्विंटल प्रति दिन चीनी की खपत है। शादी का सीजन शुरू होने से अगले सप्ताह से इसमें 2-3 हजार बोरी की अतिरिक्त खपत होने की संभावना है। शनिवार को मंडियों में आवक करीब 10,000 क्विंटल की रही। फिलहाल यहां यूपी और महाराष्ट्र से चीनी की आवक हो रही है। कारोबारियों का कहना है कि मिलें अभी पिछले साल का स्टॉक क्लियर कर रही हैं। महाराष्ट्र में नए गन्ने की पेराई शुरू होने के बाद दिसंबर में जाकर नई चीनी बाजारों में बिक्री के लिए जारी होगी।